DATE 25.7.24
PAGE No. 1

कुंजी

Tender Heart High School, Sec-33-B, Chd.

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (चित्रलेखन)

प्रस्तुत चित्र में दिखाया गया है कि एक बालक और बालिका पढ़ रहे हैं। वे इधर-उधर भटककर अपना समय व्यर्थ नहीं कर रहे हैं। बालक लिखित कार्य कर रहा है। बालिका अपने भविष्य का स्वप्न देख रही है। वह सोच रही है कि बड़ी होकर वह वायुसेना में विमान चालक बनेगी। आज की लड़कियाँ बड़े-बड़े काम करना चाहती हैं। वे अपने घर के काम-काज के साथ ही अपने जीवन का एक और लक्ष्य भी बनाती हैं। आज की लड़कियाँ किसी भी काम में लड़कों से पीछे नहीं हैं। कल्पना चावला, पी. वी. सिंधु, प्रतिभा पाटिल, स्मृति ईरानी, सानिया मिर्ज़ा, लवलिना, गीता फोगाट तथा अन्य भारतीय नारियों ने दिखा दिया है कि वे हर क्षेत्र में पुरुषों से आगे हैं।

एक युग ऐसा था जब भारत तथा कई एशियाई देशों में नारियों का घर से बाहर काम करने जाना मर्यादा के विरुद्ध समझा जाता था। उन्हें घर की परिधि में बंद होकर रहना पड़ता था। वे चौके-चूल्हे व बच्चों के लालन-पालन तक ही सीमित कर दी गई थीं परन्तु आज स्थिति बदल चुकी है।

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner

DATE 25.7.24
PAGE No 2

कुंजी

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (चित्र-लेखन)

पिछले कुछ दशकों में भारत सरकार ने महिलाओं के लिए साक्षरता कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं। कई राज्यों में छात्राओं की प्राथमिक शिक्षा पूर्णत: निःशुल्क कर दी गई है। शिक्षा प्राप्त करने के बाद आज आर्थिक गतिविधियों में शिक्षित महिलाओं की प्रतिभागिता बढ़ती जा रही है। अधिकतर विद्यालयों व अन्य शिक्षण-संस्थानों में महिलाएँ ही दिखाई दे रही हैं। वे वैज्ञानिक, चिकित्सक, इंजीनियर, शोधार्थी, पायलट, नेत्री, व्यवसायी, कंप्यूटर तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उच्च पदों पर कार्यकर रही हैं।

अत: ये बच्चे परिश्रम कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होंगे क्योंकि इन्होंने समय के महत्त्व को पहचान व जान लिया है। सब बच्चों को समय की कद्र करनी चाहिए, इसे व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए।

(अंतिम पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner